जय राम रमा रमनं शमनं

जय राम रमा रमनं शमनं भव ताप भयकुल पाहि जनं ॥
महि मंडल मंडन चारुतरं धृत सायक चाप निषंग बरं,

मुनि मानस पंकज भृंग भजे रघुवीर महा रनधीर अजे ॥
तव नाम जपामि नमामी हरी भव रोग महामदमान अरी
जय जय राम श्री राम ॥

गुन शील कृपा परमायतनं प्रनमामि निरंतर श्रीरमनं ॥
रघुनंद निकंदय द्वंद्व घनं महिपाल बिलोकय दीन जनं
जय जय राम श्री राम ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4769/title/jai-ram-rama-ram-nam-shamnam

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |